Paper - IV

MT

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - IV

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए **2**

1) आकृति पूर्ण कीजिए ।

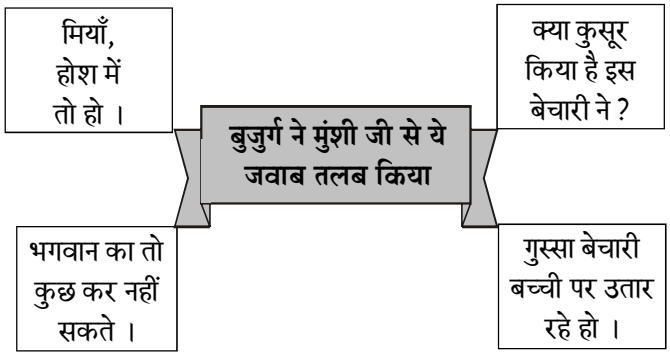

2) i) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) कुसूर → गुनाह

(2) चिराग → दीपक

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।** **1**

(1) जवाब × सवाल

(2) बेकुसूर × कुसूर

3) सनक सवार होने पर व्यक्ति अपना आपा खो बैठता है । उसकी सामान्य बुद्धि लुप्त हो जाती है । वह ऐसा व्यवहार करने लगता है - जिसकी लोग अपेक्षा नहीं करते । रंग में भंग कर देना उसके लिए सहज हो जाता है । उसके अटपटे व्यवहार को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं । वे उसे पागल तक समझने लगते हैं । **2**

उ.1.	**ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	**उचित जोड़ लगाइए।**	2
	i) 7 अक्तूबर 1950	
	ii) 22 अगस्त, 1952	
	iii) सन् 1948	
	iv) सन् 1948	
2)	i) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए।**	1
	(1) दीन → गरीब	
	(2) गणवेश → पोशाक	
	ii) **विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।**	1
	(1) सुखमय × दुखमय	
	(2) अनिश्चय × निश्चय	
3)	तप की बड़ी महिमा है । तप करके ही ऋषि - मुनि पूज्य बनते हैं । तपों में सेवा को सर्वश्रेष्ठ तप माना गया है । सचमुच, सेवा में अनेक कष्ट उठाने पड़ते हैं । अपने सुख सुविधाओं का त्याग करना पड़ता है । अपने अंदर बड़ा धैर्य रखना पड़ता है । रोगी की सेवा में रातभर जागना पड़ सकता है । उसकी औषधियाँ देने के लिए समय के प्रति पूरी सावधानी रखनी आवश्यक हो जाती है । वृद्ध की सेवा में उसके क्रोध को सहन करने की शक्ति होनी चाहिए । समाज की सेवा में तन-मन-धन अर्पित करने पड़ते हैं । इस प्रकार सेवा को सबसे बड़ा तप मानना यथार्थ ही है ।	2
	विभाग 2 - पद्य	
उ.2.	**(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **उत्तर लिखिए।**	1
	(1) अपनापन दिखाने वाले।	
	(2) जो प्रभु के गुण गाता है।	
	ii) **सही पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।**	1
	(1) लाख समझाने पर भी मानव मन नहीं समझता **लोगों के झूठे प्रेम को।**	
	(2) अचरज की रीति यह है कि **अंत समय कोई साथ नहीं देता।**	

2)	**पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए।** i) दारा → पत्नी ii) चीत → मन	1
3)	''सुर नर मुनि सबकर यह रीति, स्वारथ लाग करै सब प्रीति।'' इस पंक्ति से यह स्पष्ट है कि देवता, मनुष्य, साधु, संत सबके सब स्वार्थ की भावना से भरे रहते हैं। वह जो भी कार्य करते हैं, उसमें कहीं न कहीं स्वार्थ जरूर छिपा रहता है। देवता अपने यश के लिए स्वार्थ से बँधे होते हैं ; तो संत लोग भी मोक्ष प्राप्ति के लिए ईश्वर भजन में लीन होते हैं। उन्हें कहीं न कहीं मोक्ष प्राप्ति की तीव्र लालसा होती है जिसको प्राप्त करने के लिए योग-साधना में लीन होते हैं। मनुष्य तो पग-पग पर स्वार्थ की भावना से भरा रहता है अर्थात सब लोग स्वार्थ से भरे पड़े हैं।	2
उ.2.	**(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **उत्तर लिखिए।** (1) देश और काल पर। (2) विज्ञान का ज्ञान।	1
	ii) **उचित पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** (1) विज्ञान का क्षेत्र बढ़ने से मानव की **मानवता लुप्त होती जा रही है।** (2) आधुनिकता के कारण मनुष्य **अहंकारी हो गया।**	1
2)	**पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** i) मद → अभिमान ii) पचित → स्वीकृत	1
3)	मनुष्य के जीवन में मानवता का बहुत बड़ा स्थान है। बड़े-बड़े विद्वानों और संतों ने हमें मानवता के रास्ते पर चलना सिखाया है। कमजोरों, दुखियों, भूखों और बीमारों की सेवा करना ही इंसानियत है। सच्चा मनुष्य वही है जो मनुष्य के काम आए। वह मनुष्य तो पशुओं के समान है, जो केवल अपना ही पेट भरता है। मनुष्य को सभी की सहायता करनी चाहिए।	2
	विभाग - 3 - व्याकरण	
उ.3.	**पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द पहचानिए ।** (i) दूरदर्शी (ii) कार्षापण	1

2) **निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

हाँ ! : **हाँ !** रामू को फौरन घर भेज दीजिए ।

3) i) **काल पहचानिए ।** **1**

सामान्य वर्तमानकाल

ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** **1**

कोलकाता उनका कार्यक्षेत्र बना ।

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

वक्ता की बातों से सब लोग **अभिभूत हो उठे ।**

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

टूट पड़ना - आक्रमण करना ।

वाक्य - आतंकवादी को देखते ही सैनिक उसपर **टूट पड़े** ।

विभाग - 4 - रचना

उ.4. **1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **4**

रमेश पटेल
50, रामपुर,
नासिक - 456005 ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान उपअभियंता जी,
महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल,
नासिक - 456005 ।

विषय : बिजली के बिल के अधिक आने के संबंध में शिकायत पत्र ।

माननीय महोदय,

मैं महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल की बिजली का उपयोग वर्षों से कर रहा हूँ । मेरा उपभोक्ता क्रमांक 101625 है ।

बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि फरवरी, 2017 का मेरा बिजली का बिल अनुमान से अधिक आया है । बिजली का उपयोग हमेशा की तरह ही हो रहा है फिर बिल इतना अधिक क्यों आया है ? मेरे घर में न तो फ्रिज है और न ही वाशिंग मशीन । कपड़े भी बाहर से प्रेस करवाते हैं । अनावश्यक लाइट और पंखे का

भी प्रयोग नहीं किया जाता, फिर भी इस महीने (फरवरी) का बिल पिछले महीने (जनवरी) के बिल से दो गुना आया है । यह चिंता का विषय है ।

अत: आपसे प्रार्थना है कि इस विषय पर ध्यान दें और उचित कार्यवाही करें । इस पत्र के साथ 'फरवरी' और पिछले पाँच बिलों की झेराक्स प्रतियाँ संलग्न हैं ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय,
रमेश पटेल।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान उपअभियंता जी,
महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडळ,
नासिक - 456005

प्रेषक,
रमेश पटेल,
50, रामपुर,
नासिक - 456005

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

(1) हम हिंदू हों या मुसलमान, हम सब भारतीय हैं ।
(2) सुख का साथी हमें संकट में छोड़ देता है ।
(3) मीठी जबान सफलता की कुंजी है ।
(4) अकाल के समय एक टुकड़ा रोटी भी बहुत कीमती होता है ।

3) निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **4**

परिवार जनों के साथ मैं अवकाश के दिनों में घुमने गया था । प्रेक्षणीय स्थल दर्शन के लिए हम निकल पड़े थे । मन में कई सारी भावनाएँ थीं । लेकिन वहाँ पहुँचकर प्रेक्षणीय स्थल की सुंदरता, स्वच्छता और अनुशासन देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ और मेरे मन में विचार आए कि काश ! पुरा भारत ऐसे ही सुंदर और स्वच्छ होता । हम भारत वासियों को ऐसे ही अनुशासन में रहकर पूरे भारत को स्वच्छ व सुंदर बनाना चाहिए । हमें कूड़ा - करकट यथा स्थान पर फेंकना चाहिए । विशेषकर सार्वजनिक स्थलों, जहाँ पर लोगों का आना - जाना लगा रहता है, अपने घरों के आसपास स्टेशनों, विद्यालयों, धार्मिक स्थलों आदि के पास कहीं भी किसी प्रकार की गंदगी नहीं करनी चाहिए । एक दूसरे को स्वच्छता के प्रति जागरुक करना चाहिए । अनुशासन में रहते हुए सुलभ शौचालयों, कुड़ेदानों का प्रयोग करना चाहिए, जिससे गंदगी के साथ ही बीमारियों से बचा जा सके । हमें पूरे तन - मन से देश को सुंदर और स्वच्छ बनाने में जुट जाना चाहिए ।

❖❖❖❖